Naidunia (Indore), 23rd August 2024, Naidunia City, Page – I

टेलीस्कोप से देखी सौर धब्बों की झलक

आइआइटी इंदौर में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में खगोल विज्ञान पर आधारित प्रदर्शनी

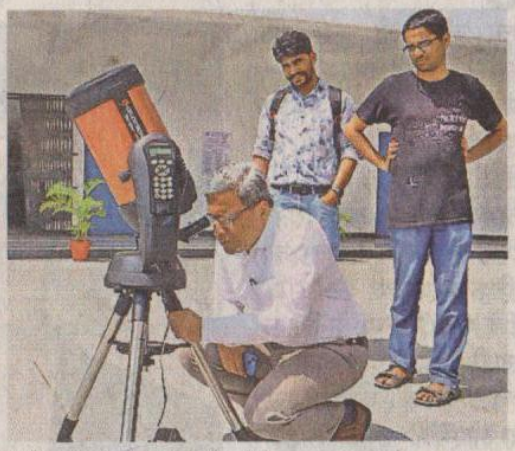

टेलीस्कोप से सौर गतिविधि को देखा गया। ● सौजन्य

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में चंद्रमा पर ऐतिहासिक लैंडिंग के स्मरणोत्सव के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया। इस दौरान खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों और कालेजों के 350 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित थे। छात्रों ने लेंस जोड़ने से लेकर अंतिम उत्पाद पूरा करने तक खगोलीय दूरबीन बनाने के रोमांच का भी अनुभव किया। विशेषज्ञों ने बताया कि भारत न केवल चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश बन गया, बल्कि इसके दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र तक पहुंचने वाला पहला देश भी बन गया। इस वर्ष की थीम है 'चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना: भारत की अंतरिक्ष गाथा'।

पोस्टर प्रदर्शनी में भारत के अंतरिक्ष अभियानों के शानदार इतिहास और भारतीय अंतरिक्ष विज्ञानियों के अग्रणी योगदान को बताया गया। प्रदर्शनी में विज्ञान माडल भी शामिल थे, जिनसे अंतरिक्ष और खगोल विज्ञान से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं को दर्शाया गया। मुख्य आकर्षण एक विशेष टेलीस्कोप के माध्यम से सौर अवलोकन करना था, जहां छात्रों को सूर्य में बनने वाले धब्बों की एक झलक पाने का अवसर मिला। इसके बाद प्रश्नोत्तरी सत्र हुआ। कार्यक्रम में इसरो के पूर्व अध्यक्ष एएस किरण कुमार आनलाइन के माध्यम से जुड़े। उन्होंने पिछले दशकों में इसरो की यात्रा और भारत की इस अंतरिक्ष यात्रा में योगदान देने के लिए युवाओं की संभावनाओं को साझा किया। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि भारत की इस अंतरिक्ष क्रांति में योगदान देने के लिए संस्थान ने भी कई अनूठे कदम उठाए हैं। संस्थान ने अंतरिक्ष विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एक अद्वितीय बीटेक शुरू किया है। भारत के स्कूलों में कई अंतरिक्ष एवं खगोल विज्ञान टिंकरिंग लैब भी बनाई गई है।

संस्थान ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के उपलक्ष्य पर आनलाइन स्पेस हैकथान शुरू करने के लिए आइईईई जीआरएसएस और एमपीसीएसटी (भोपाल) के साथ सहकार्य किया है। खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग, आइआइटी इंदौर के दो पीएचडी छात्रों की एक टीम ने इसरो द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी भारतीय अंतरिक्ष हैकथान में भी भाग लिया और तीसरा पुरस्कार जीता। जहां उन्हें गुरुवार को भारत मंडपम (नई दिल्ली) में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के दौरान पुरस्कार प्रदान किया।